मूल्य 1 रु.
वर्ष: 15 - अंक : 62, मुंबई, सोमवार, 23 जून, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

59 साल की उम्र के पड़ाव में इन गंभीर बीमारियों से जूझ रहे एक्टर सलमान खान

चलना-फिरना भी हो जाता है दूभर

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान अपनी फिल्मों को लेकर जहां पर चर्चा में रहते है तो वहीं पर वे फिटनेस को लेकर भी उतने ही सजग है। 59 साल की उम्र में एक्टर सलमान खान कई फिल्में कर रहे है जो उनकी एनर्जी को बताता है। लेकिन कम लोग ही जानते होंगे की उम्र के इस पड़ाव में एक्टर सलमान खान कई गंभीर बीमारियों से गुजर रहे है। इसका खुलासा उन्होंने द कपिल शर्मा शो पर किया था। एक्टर जितने फिट नजर आते है उतना ही उनके लिए अब सेहत के साथ जीना मुश्किल हो जाता है। उन्हें बीमारी की वजह से चलना-फिरना आसानी से नहीं होता है। आपको बताते चलें कि, बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ट्राइजेमिनल न्यूरेल्जिया, ब्रेन एन्यूरिज्म और एवी मालफॉर्मेशन जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

संजय राउत ने बनाया था...

शिवसेना हाइजैक करने का प्लान

शहाजी बापू के बाद गुलाबराव पाटिल ने फोड़ा सियासी बम

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के नेता एवं राज्य की महायुति सरकार में मंत्री गुलाबराव पाटिल ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना यूबीटी के सांसद व प्रवक्ता संजय राउत पर सनसनीखेज आरोप लगाया है। मंत्री पाटिल का आरोप है कि 21 जून 2022 को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना में हुई ऐतिहासिक बगावत की पटकथा यानी प्लानिंग राउत ने ही बनाई थी। इस खुलासे के पीछे माना जा रहा है कि शिंदे गुट अब नई रणनीति के तहत उद्धव पर हमला कर रहा है और खासकर राउत की छवि को संदिग्ध बनाने का प्रयास कर रहा है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

शूटिंग सेट पर क्यों लगती है बार-बार आग?

अनुपमा शो का सेट जलकर राख होने के बाद उठा गंभीर सवाल

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई के गोरेगांव स्थित फिल्म सिटी से चौंकाने वाली खबर सामने आई। लोकप्रिय टीवी सीरियल अनुपमा के शूटिंग सेट पर अचानक आग लगी। इलाके में आसपास दहशत का माहौल देखने को मिला। शूटिंग की शुरूआत होने वाली थी। ऐसे में शूटिंग सेट पर काफी लोग मौजूद थे, लेकिन अगर शूटिंग शुरू हो गई होती उसके बाद आग लगती तो घटना और भयानक हो सकती थी। आग किस वजह से लगी इसके बारे में अब तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन शूटिंग सेट पर बार-बार आग लगने की घटनाओं ने सभी को हैरान कर दिया है और अब यह सवाल उठने लगा है कि जहां सेलिब्रिटीज और क्रू मेंबर मौजूद होते हैं, ऐसी जगह पर आखिर बार-बार आग क्यों लगती है? आग लगने की घटना की वजह से अब यह सवाल उठने लगा है कि शूटिंग सेट पर बार-बार आगजनी की घटना क्यों होती है? **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

‘आप कौनसा कलेक्टर हो गए हो’

बेटी के ताना से बौखलाए प्रिंसिपल पिता ने ले ली जान

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के सांगली में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक स्कूल के प्रिंसिपल ने अपनी बेटी को परीक्षा में कम नंबर आने पर डांटा, जिसका 12वीं की छात्रा ने उल्टा जवाब दिया। बेटी के उल्टे जवाब से पिता बौखला गए और अपनी बेटी को इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। प्रिंसिपल पिता ने अमानवीय पिटाई की बात कबूल की है। दरअसल, साधना भोसले नाम की छात्रा आटपाडी स्थित एक स्कूल में 12वीं में पढ़ती थी। उसका सपना डॉक्टर बनने का था। वह नीट की तैयारी कर रही थी, लेकिन इस बार परीक्षा में उसके कम नंबर आए। इससे उसके पिता हेडमास्टर धोंडीराम भोसले नाराज हो गए।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

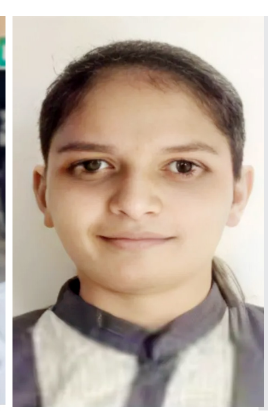

नीट मॉक परीक्षा में कम अंक आए थे

बताया जा रहा है कि साधना के पिता ने उसे इसलिए पीटा क्योंकि नीट मॉक परीक्षा में उसके कम अंक आए थे। डांटने पर साधना ने अपने प्रिंसिपल पिता से कहा था कि आप कौनसा कलेक्टर हो गए हो? तुम्हारे भी कम अंक आए हैं, है न? इस बात से धोंडीराम बौखला गए और साधना को डंडों से बहुत पीटा। आटपाडी पुलिस ने साधना के पिता धोंडीराम भोसले को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आगे जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा कि आरोपी धोंडीराम भोसले ने बेटी को पिटने की बात कबूल कर ली है। आगे की पूछताछ जारी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

कठघरे में डीजीसीए भी

विनियामक एजेंसियों की आखिर क्या भूमिका है? क्या यह किसी हादसे के बाद जांच कर पहले हुए उल्लंघनों को पता लगाने तक सीमित है या लगातार यह सुनिश्चित करना भी उनकी जिम्मेदारी है कि हर कंपनी तय नियमों का पालन करे?

नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया के तीन अधिकारियों को हटाने का निर्देश दिया है। डीजीसीए इस नतीजे पर पहुंचा कि इन अधिकारियों ने सिस्टम नाकामी एवं पायलटों के लाइसेंस, ड्यूटी रोस्टर, एवं अन्य तकाजों से जुड़े कई तरह के उल्लंघनों की स्थितियों में अपना कर्तव्य नहीं निभाया। समझा जाता है कि अक्सर पायलटों पर काम का अतिरिक्त बोझ डाला गया, जिन्हें होने देने की जिम्मेदारी उन अधिकारियों पर आती है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक एयर इंडिया ने प्रोटोकॉल के खिलाफ जा कर जूनियर और सीनियर पायलटों की जोड़ियां बनाई, पायलटों के लाइसेंस से संबंधी नियमों को तोड़ा, और प्रोटोकॉल निगरानी संबंधी व्यवस्था का पालन नहीं किया। मगर यह सब जब हो रहा था, डीजीसीए की निगरानी से वो बाहर क्यों रहा? इन गड़बड़ियों पर अहमदाबाद में हुए हादसे के बाद ही डीजीसीए का ध्यान क्यों गया है? एक अन्य मामले में डीजीसीए ने इंडिगो एयरलाइन्स के उस पालयट को सुधार प्रशिक्षण पर भेजने का निर्देश दिया है, जो 21 मई को दिल्ली-श्रीनगर उड़ान का संचालक था। ये उड़ान गंभीर टर्बुलेंस का शिकार हुआ, जिस पर पायलट ने मार्ग बदल लिया। डीजीसीए के आदेश से संकेत मिला है कि पायलट का निर्णय गलत था। इन दोनों मामलों में भारत में पायलट संबंधी नियमों के पालन तथा निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। और सवालों के घेरे में खुद डीजीसीए भी आता है। मुद्दा है कि विनियामक एजेंसियों की आखिर क्या भूमिका है? क्या यह किसी हादसे के बाद जांच कर पहले हुए उल्लंघनों को पता लगाने तक सीमित है या लगातार यह सुनिश्चित करना भी उनकी जिम्मेदारी है कि हर कंपनी तय नियमों का पालन करे? हाल में इंडिगो एयरलाइन्स की दो उड़ानों के मुसाफिरों के सामान गायब या क्षतिग्रस्त होने की शिकायतें आईं। इंडियन एयरलाइंस की उड़ानों में यात्री सुविधाओं की अनदेखी की खबरें लगातार आई हैं। ऐसे मामलों में यात्री अपने को अनाथ महसूस करते हैं। और ऐसा इसीलिए हो पाता है, क्योंकि एयरलाइनें अपने को किसी तरह के विनियमन से भय-मुक्त पाती हैं। यात्री सुरक्षा एवं सुविधा से जुड़े ऐसे सभी मामलों में आखिर किसका उत्तरदायित्व है?

नाद मंजरी में बिलासपुर की बेटियों ने मचाई धूम

बिलासपुर, छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ प्रदेश में नृत्यधारा डांस अकादमी ने बहुत ही कम समय में मिसाल पेश की है। आँचल पांडेय इस अकादमी की निर्देशिका हैं जो स्वयं अंतर्राष्ट्रीय कथक एवं ओड़िसी नृत्यांगना हैं जिन्होंने अपनी कला की प्रस्तुति ना ही केवल छत्तीसगढ़, बल्कि मलेशिया, सिंगापुर, जापान, कोरिया, अफ्रीका, अरब, दुबई के अलावा देशभर में दी है। बिलासपुर के देवकीनंदन दीक्षित सभा भवन में आयोजित नाद मंजरी प्रतियोगिता में देशभर के 450 से अधिक कलाकारों ने हिस्सा लिया एवं प्रतिभागी कलाकारों के साथ ही देश भर के संगीत व सांस्कृतिक प्रेमी शामिल हुए। सास्थी मौर्य, अभिमान्या सिंह, अनिका बाजपेयी, स्वस्तिका दुबे, आरोही राठौर, नीमरित पात्रा,आन्वी वर्मा, जे खुशी राव, डेलीशा मिश्रा, आस्था साहू, श्रेया पाण्डेय, श्रीजल साहू, भाव्या सिंह, किरण देवांगन, शहर की बेटियां ने इस प्रतियोगिता में

भाग लेकर पहला एवं दूसरा स्थान प्राप्त कर अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की। वहीं आंचल पाण्डेय को नादार्चन प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। बिलासपुर एवं छत्तीसगढ़ के लिए यह बहुत गर्व की बात है। आंचल का कहना है कि इस विधा को नृत्यधारा अकादमी के माध्यम से और भी शहर के बच्चों तक पहुंचाना चाहती हूं ताकि अपनी जड़ से भावी पीढ़ी जुड़ी रहे और उन्हें हमारी संस्कृति और सभ्यता के बारे में बता पाऊं। इसके लिये मैं प्रयासरत हूं एवं जो बच्चे बहुत ही टैलेंटेड है लेकिन वह डांस सीखने के लिए आर्थिक रूप से सक्षम नहीं है वैसे जरूरतमंद बच्चों को मेरा प्रयास है कि उन्हें निशुल्क प्रशिक्षण दूं एवं उनके अंदर के टैलेंट को इसी तरह देश दुनिया में पहुंचा सकूं। आंचल पांडेय ने अब कला की बारीकियों और घरानो व परंपराओं खूबियों को नवोदित कलाकारों के बीच बांटने और उसे एक मजबूत प्लेटफार्म देने के उद्देश्य से नृत्य अकादमी की शुरूआत की है। अकादमी में नवोदित कलाकार की कला और बारीकी सीखने के साथ ही कड़ी मेहनत करना और अपने अंदाज वह अपने दम पर आगे बढ़ने की सीख ले रही है। आंचल बताती है कि डांस एकेडमी के जरिए वह अपनी कला को इतना प्रसारित करना चाहती है कि हर एक बच्चा जो नृत्य सीखने के लिए आ रहा है उनमें सभी कलाएं कूट कूट कर भरी हो, इसलिए वह कथक एवं ओडीसी के साथ लोक नृत्य शास्त्रीय नृत्य व सभी प्रकार के नृत्य से परिचित करा रही हैं।

आँचल पांडेय वर्तमान में स्वयं द्वारा स्थापित एनजीओ नृत्यधारा वेलफेयर फाउंडेशन के तहत समृद्ध भारतीय संस्कृति, कला, संगीत और नृत्य की बेहतरी के लिए काम कर रही हैं। वह अपने काम और जिम्मेदारियों के प्रति अत्यधिक प्रतिबद्ध और समर्पित हैं। उनका एकमात्र लक्ष्य छात्रों और नई प्रतिभाओं को तैयार करना और उन्हें मंच प्रदान करना है।

अंतरराष्ट्रीय विधवा दिवस पर विशेष : बंद नहीं आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा की समस्याओं से जूझना

इस देश की विधवाओं की सबसे बड़ी समस्या आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा से जूझना है। खासकर ऐसी महिलाएं जिनके लिए उनका पति ही उनके लिए परमेश्वर था। वैसे भी जीवन में सबसे बड़ा दुख किसी अपने को खोना है, लेकिन जब कोई अपने जीवनसाथी को खोता है, तो उस दुःख को बयां कर पाना मुश्किल है। खासकर जब कोई महिला अपने जीवनसाथी यानी पति को खोती है, उस वक्त दुःख के साथ उस महिला को आर्थिक के साथ सामाजिक चुनौतियों से भी जूझना पड़ता है और विधाओं की इसी तरह की तमाम समस्याओं से निजात दिलाने के उद्देश्य से ही हर साल 23 जून को अंतरराष्ट्रीय विधवा दिवस मनाया जाता है, जिससे विधवा महिलाओं को सशक्त किया जा सके। गौरतलब है कि दुनियाभर में कई विधवा महिलाएं गरीबी, भेदभाव और सामाजिक बहिष्कार का सामना करती हैं। इसी लिए इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य विश्व स्तर पर विधवाओं को सशक्त बनाने के महत्व को बढ़ावा देना है।

विधवा महिलाओं की समस्याओं को लेकर मनाए जाने वाले इस अंतरराष्ट्रीय विधवा दिवस को पहली

बार 23 जून-2011 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता दी गई थी। जिसमें वैश्विक स्तर पर विधवाओं के सामने आने वाली कठिनाइयों, अधिकारों और कल्याण करने के उद्देश्य से इस दिन को मनाने की मान्यता मिली थी। ताकि विधवा महिलाओं को सशक्त बनाया जा सके।

बता दें कि अंतरराष्ट्रीय विधवा दिवस की स्थापना विभिन्न संगठनों के प्रयासों से प्रेरित थी। जिसमें मुख्य रूप से लूम्बा फाउंडेशन भी शामिल था। दरअसल यह एक अंतरराष्ट्रीय चैरिटी है, जो विधवाओं के अधिकारों के हक के लिए लड़ती है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे स्वीकार किए जाने से पहले ही लूम्बा फाउंडेशन 2005 से ही इस दिन को मना रहा है। इस फाउंडेशन की स्थापना लंदन में हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य राजिंदर पॉल लूम्बा ने विकासशील देशों में विधवाओं की समस्याओं के समाधान के लिए किया था। अगर समाज की बात करें तो कई बार देखा गया है कि विधवा महिलाओं के पास आय का भी उचित जरिया नहीं होता है, जिससे वो खुद और परिवार का पालन कर सकें। अंतरराष्ट्रीय विधवा दिवस का मुख्य उद्देश्य दुनियाभर में विधवाओं के जीवन को बेहतर बनाना है। इसके अलावा इस दिन का उद्देश्य ये भी है कि विधवाओं को जागरूक कर उन्हें उचित रोजगार, आय, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा आदि सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास किया जाए। लेकिन भारत जैसे देशों के संदर्भ में यह प्रयास विधवा महिलाओं के हित में बहुत सार्थक प्रतीत नहीं होता क्योंकि सको विधवाएं ऐसी हैं जो आज भी इस दिशा में सरकार द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के रूप में किए जाने वाले प्रयासों से वंचित हैं।

योग की सरिता में डूबा कानपुर ग्रीन पार्क में उमड़ी भीड़

कानपुर। शनिवार को विश्व योग दिवस के अवसर पर शहर के गली, मुहल्ले व घर घर योग की धूम रही। अब एक त्यौहार का रूप ले चुके अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आज कानपुर के ग्रीन पार्क मैदान में भी लाखों लोगों ने योगासन किया। इसके लिए सुबह सबेरे से ही लोग ग्रीन पार्क समेत अन्य पार्कों व सार्वजनिक स्थानों पर योग के लिए निकल पड़े। लोगों के उत्साह को देख ऐसा लग रहा था कि जैसे वे कोई त्यौहार मनाने जा रहे हों। आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के इस मौके पर शहर का कोई ऐसा पार्क नही था, जहां योग के कार्यक्रम आयोजित न किए गये हों। हर जगह लोगों का उत्साह देखते बन रहा था। बच्चे ,महिलाएं व नौजवान सभी योग करते नजर आए। बुजुर्गों ने भी इस योग दिवस पर पार्कों में योग गुरुओं के सानिध्य मे खूब हाथ-पैर चलाए। हर साल की तरह इस बार भी ग्रीनपार्क स्टेडियम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर उत्साह और उमंग नजारा दिखा। सुबह ठंडी हवाओं ने योग के संगम ने हर मन और तन को प्रफुल्लित कर दिया।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: 9619102478 /9821238815
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

भारतीय मिशनों ने दुनियाभर में धूमधाम से मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। देश के विभिन्न स्थानों के साथ ही दुनियाभर में 21 जून को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। अमेरिका से लेकर रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, कतर, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका के अलग-अलग शहरों में हजारों लोगों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया और भारत की इस प्राचीन विद्या को सम्मान दिया। न्यूयॉर्क और जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र में भी विशेष योग शिविर लगाए गए, जिनमें भारतीय मूल के लोगों के साथ ही स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान दुनियाभर में स्थित भारतीय मिशनों ने विशेष योग सत्र आयोजित किए, जहां हजारों लोगों ने योग विशेषज्ञों से योग के नायाब

गुर सीखे। योग दिवस के मौके पर न्यूयॉर्क के विख्यात टाइम्स स्क्वायर पर सैकड़ों लोग एकजुट हुए और योग को अपनी जीवनशैली में उतारने का संकल्प लिया। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में योग गुरु दीपक चोपड़ा ने ध्यान सत्र का नेतृत्व किया, जिसमें 1,200 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश ने कहा कि इस वर्ष की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य है, जो वसुधैव कुटुंबकम की भावना को दशार्ती है। लंदन में महाराजा चार्ल्स तृतीय का विशेष संदेश पढ़ा गया। चीन में बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास में योग प्रतियोगिता आयोजित हुई। दक्षिण सुडान के जुबा में स्थित भारतीय दूतावास में आयोजित योग दिवस का जश्न वाकई प्रेरणादायक रहा, जहां भारतीय समुदाय के सदस्यों और दक्षिण सूडानी नागरिकों के साथ ही यूएन मिशन के पीसकीपर्स ने भाग लिया। बता दें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित करने का प्रस्ताव रखा था। यह प्रस्ताव 193 देशों के समर्थन के साथ 11 दिसंबर 2014 को पारित हो गया। इसके बाद 2015 से हर साल इस दिन को दुनिया भर में योग के महापर्व के रूप में मनाया जाता है। भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक योग ने वैश्विक एकता, शांति और स्वास्थ्य का संदेश पूरी दुनिया को दिया। यह महज व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है जिसे दुनिया अब अपनाने लगी है।

11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिला परिषद स्कूल असद ग्राम पंचायत ने योग कर मनाया

मुंबई हलचल/संवाददाता

सांगली महाराष्ट्र। तहसील कड़ेगाव के ग्राम असद में जिला परिषद स्कूल असद, असद ग्राम पंचायत ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग कर योग दिवस मनाया। प्राचीन भारतीय अभ्यास का जश्न मनाने के लिए हर साल २१ जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है, जो अपने अभ्यासकर्ताओं के शारीरिक और मानसिक कल्याण को बढ़ाने के लिए जाना जाता हैं। योग शब्द जो संस्कृत से लिया गया है, का अर्थ है जुड़ना या एकजुट होना, जो शरीर और चेतना के मिलन का प्रतीक हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उद्देश्य योग दिवस स्वास्थ्य, कल्याण और शांति अभ्यास के कई लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना हैं। अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर देश भर से योग दिवस को अच्छा प्रोत्साहन मिला है। असद ग्राम में योग दिवस पर पतंगराव कदम सोनहिरा सहकारी शुगर कारखाने के संचालक प्रभाकर चंद्रकांत जाधव उर्फ पी सी दादा, तानाजी विष्णु जाधव पूर्व चेयरमैन डोंगराई दूध संघ कड़ेपुर, जिला परिषद स्कूल असद के मुख्याध्यापक रामचंद्र संभाजी देशमुख सर, सौ सविता सुतार मॅडम, बाळासाहेब सुभाष चोपडे सर, सचिन रावसाहेब घोटाळे सर, असद ग्राम विकास अधिकारी राजशेखर चौहान, उप सरपंच नंदकुमार विट्ठल जाधव, असद सर्व सेवा सोसाइटी चेयरमैन संजयकुमार शंकर जाधव उर्फ आप्पा, ग्राम पंचायत सदस्य, सोसाइटी संचालक, असद तन्तमुक्ति समिति अध्यक्ष सुरेश नामदेव जाधव उर्फ भाऊ, पूर्व सरपंच राजेंद्र विष्णु जाधव, पूर्व चेयरमैन सुबराव जाधव उर्फ तात्या, पूर्व संचालक सुहास पोपट जाधव उर्फ आप्पा, संदीप अंगवणे, ग्राम पंचायत क्लार्क संग्राम जाधव, पूर्व ग्राम पंचायत सदस्य सौ अश्विनी सुधाकर जाधव, आंगनवाड़ी सेविका, मदतनीस, आशा सेविका एवं ग्राम वासी महिलाओं एवं पुरुष ने योग दिवस पर योग कर मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

संजय राउत ने बनाया था शिवसेना हाइजैक करने का प्लान

शिवसेना में विभाजन की आग ठंडी होने का नाम ही नहीं ले रही है। बगावत के कारण पार्टी टूटने से आहत उद्धव ठाकरे, उनके पुत्र आदित्य ठाकरे तथा पार्टी के सांसद व प्रवक्ता संजय राउत सहित कुछ अन्य नेता उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके साथियों को गद्दार कहकर बार-बार अपमानित करने का प्रयास करते हैं। तो वहीं डीसीएम शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता भी तीन साल पहले हुई बगावत के घावों को कुरेदकर उद्धव ठाकरे के दर्द को हरा रखने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ते हैं। शनिवार (21 जून) को उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव को याद दिलाया था कि तीन साल पहले आज ही के दिन हमने आपका तांगा पलटी किया था अर्थात सरकार गिराई थी और आपके घोड़ों (विधायकों) के साथ फुर्र हो गए थे। तो वहीं रविवार को शिंदे के एक अन्य साथी मंत्री गुलाब राव पाटिल ने उद्धव के सबसे विश्वसनीय सहयोगी संजय राउत को लेकर बड़ा आरोप लगाकर सनसनी मचा दी। मंत्री गुलाब राव पाटिल से पहले डीसीएम शिंदे की शिवसेना के क्या झाड़ी, क्या पहाड़ी फेम विधायक शहाजी बापू पाटिल ने शनिवार को कहा था कि बगावत के दौरान संजय राउत भी शिंदे के साथ गुवाहाटी जाने को तैयार थे लेकिन 35-36 विधायकों ने राउत को साथ लेने का विरोध किया था। इसलिए राउत को शिंदे ने छोड़ दिया। इसी बात का गुस्सा राउत, शिंदे गुट के नेताओं और विधायकों पर निकालते हैं।

'आप कौनसा कलेक्टर हो गए हो'

दो दिन पहले साधना नेलकरंजी स्थित अपने घर गई थी। उस समय नीट परीक्षा में कम नंबर आने पर उसके प्रिंसिपल पिता ने रात में उसे डंडे से बुरी तरह पीटा था। पिटाई से वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के बजाय अगली सुबह योग दिवस मनाने के लिए स्कूल चले गए। धोंडीराम भोसले जब घर आए तो उन्होंने साधना को बेहोश पाया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इलाज के दौरान साधना की मौत हो गई।

गंभीर बीमारियों से जूझ रहे एक्टर सलमान खान

इसमें सबसे गंभीर बीमारी Brif Afeurysm है जो उनके दिमाग पर असर करता है। इस बीमारी की स्थिति में दिमाग के ब्लड वेसेल्स में ब्लड फ्लो का दबाव बढ़ने लगता है। इसकी वजह से ब्रेन एन्यूरिज्म का आकार बढ़ सकता है। अगर ये फट जाए तो दिमाग में ब्लीडिंग होने लगती है। इसे हम hemorrhgic stroke कहते हैं। कई मामलों में इस बीमारी में मौत की स्थिति भी बन जाती है। इसके लिए तुरंत इलाज की जरूरत होती है। जैसा कि, बीमारी से समझ ली जाए यह गंभीर बीमारी होती है तो वहीं पर इसके लक्षण भी होते है। इसके लक्षण लंबे समय तक नजर नहीं आते हैं, इसलिए इसे साइलेंट किलर कहा जाता है। अचानक और बहुत तेज सिरदर्द होना, आंखों के पीछे दर्द या दबाव महसूस होना डबल विजन, कई मामलों में वजिन लॉस, गर्दन में अकड़न, मतली या उल्टी, बेहोशी आना, दौरे पड़ना।

शूटिंग सेट पर क्यों लगती है बार-बार आग?

इसके जवाब में यह जानकारी मिली है कि प्रोडक्शन टीम और अधिकारियों की लापरवाही की वजह से यह घटनाएं हो रही है। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि स्टूडियोज अक्सर फायर ऑडिट छोड़ देते हैं। जिसकी वजह से हजारों कर्मचारियों की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है। अनुपमा के सेट पर लगी आग बहुत भीषण थी।

जिला पुलिस अधीक्षक ने 70 से अधिक रिवॉर्ड देकर एएसआई सूरज कुमार व टीम को सम्मानित किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान/निम्बाहेड़ा। कोतवाली थानाधिकारी रामसुमेर मीणा के सुपरविजन में गठित जिला स्तरीय विशेष टिम के सहायक उपनिरीक्षक सूरज कुमार मय टीम कानि. वीरेंद्र, देवेंद्र, राधेश्याम ल, चेतन, रामावतार, मुकेश चौधरी, रतन लाल, ने दस - दस हजार रुपए के दो ईनामी आरोपियों सहित 200से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया है। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने सम्मानित किया है।इस हेतु एक वर्ष में एएसआई सूरज कुमार को 70 से अधिक रिवॉर्ड मिल चुके हैं, और अब तक कुल 500 से अधिक रिवॉर्ड प्राप्त कर चुके है। उनमें 20 से अधिक रिवॉर्ड पुलिस महानिदेशक, 40 महानिरीक्षक रेंज उदयपुर, मध्य प्रदेश के पुलिस

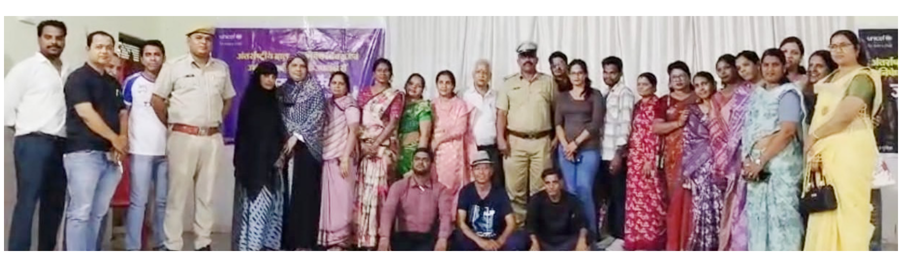

महानिदेशक से तीन हजार का इनाम, कर्नाटक के राज्यपाल से प्रशस्ति पत्र, दर्जन भर से अधिक जिला स्तर पर होने वाले स्वतंत्रता दिवस व गणतंत्र दिवस पर सम्मानित हो चुके हैं। पैतृक गांव नेगड़िया कला बस्सी जिला चित्तौड़गढ़ में स्कूल निर्माण में सहयोग करने पर जिला स्तर पर भामाशाह सम्मान राजस्थान सरकार द्वारा दिया जा चुका है, इसी क्रम इस साल जिला पुलिस अधीक्षक जिला चित्तौड़गढ़ द्वारा चोरी नकबजनी, हत्या, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस के मामलों में वांछित अपराधियों की धर पकड़ एवं गिरफ्तार हेतु 70 से अधिक रिवॉर्ड दिए जा चुके हैं। एएसआई सूरज कुमार और उनकी टीम ने 200 से अधिक वांछित अपराधियों को इस वर्ष में गिरफ्तार किया है। इसी क्रम में एएसआई सूरज कुमार ने चित्तौड़गढ़ के लोगो की सुरक्षा चित्तौड़ के युवाओ के सपने के लिए चित्तौड़ की आम जनता की जान माल की सुरक्षा में अपना सम्पूर्ण योगदान देते हुए इतने महत्वपूर्ण और साहस बहादुरी के कार्य किए है कि परमोशन देने वाले सोच में पड़ गए ये अकेला ऐसे कैसे कर लेता है। पुलिस की समस्या ही ये है की कोई जवान अपनी बुद्धि, कोशल, सूचना, संकलन और अपनी हिम्मत कार्यशैली से हर घटना का पर्दाफाश और अपराध को उसके अंजाम को पहुँचा देता है। अपने तन मन धन से खाकी पहन कर सेवा में लगे हुए है उनकी सेवाएं और पुलिस एक्टिविटी काबीले तारीफ है।

खबर संक्षेप

सीमेंट के ट्रेलर में घुसी कार, 4 की मौत

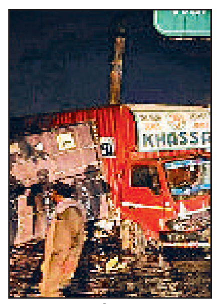

देहरादून। यहां रविवार तड़के दर्दनाक हादसा हो गया। आशारोड़ी के पास सीमेंट के ट्रेलर में कार ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में कार में बैठे हरियाणा के 4लोगों की मौत हो गई। एक गंभीर रूप से घायल है। घटना करीब साढ़े तीन बजे की है। वाहन मारुति रिट्ज सहारनपुर की ओर से देहरादून आ रही थी।

विद्युत टीम और पुलिस पर पथराव,12 घायल

आगरा। यहां के फतेहाबाद में बिजली चोरी रोकने के लिए शनिवार को बमरौली कटारा के मदरा गांव गई विद्युत टीम और पुलिसकर्मियों पर ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। पुलिस ने भी लाठियां भांजी। 2 दरोगा समेत करीब 12 लोग घायल हुए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने उन्हें पीटा है। बमरौली में चोरी हो रही थी।

मुंबई में देह व्यापार, 8 लोगों को किया अरेस्ट

महाराष्ट्र। मुंबई की मालवणी पुलिस ने सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया था और मौके से 3 बांग्लादेशी महिला नागरिक को रेस्क्यू किया था। नौकरी का लालच देकर उन्हें बांग्लादेश से मुंबई लाया गया और देह व्यापार में धकेल दिया गया। 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने ईसी की पहल

बिहार चुनाव से पहले वोटर लिस्ट की होगी जांच, घर-घर मतदाताओं का करेंगे सत्यापन

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग (ईसी) मतदाता सूची की समीक्षा के दौरान घर-घर जाकर वोटरों का सत्यापन करने की योजना पर गंभीरता से विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, यह कदम निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के उद्देश्य से उठाया जा सकता है।हाल के वर्षों में वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने या गलत तरीके से जोड़े जाने को लेकर कई राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस समेत कई दलों ने आरोप लगाया है कि आयोग वोटर लिस्ट में हेरफेर कर सत्ताधारी दल को फायदा पहुंचा रहा है। वहीं तमाम राजनीतिक दलों की तरफ से लगाए जा रहे आरोपों पर चुनाव आयोग के अधिकारियों का कहना है कि वे पूरी प्रक्रिया एक तय प्रोटोकॉल और सभी राजनीतिक दलों की निगरानी में पारदर्शी ढंग से करते हैं। इसके बावजूद आयोग पर मनमाने ढंग से आंकड़े बढ़ाने के आरोप लगाए जाते हैं, जो निराधार हैं।

भारत निर्वाचन आयोग कई पहलुओं पर कर रहा गंभीरता से विचार

यह होगी घर-घर सत्यापन प्रक्रिया?

- *हर घर जाकर नाम, पता, उम्र, फोटो आदि की जांच की जाएगी*
- *अगर किसी मतदाता का नाम गलत तरीके से जुड़ा है या हटाया गया है, तो उसे ठीक किया जाएगा*
- *नए योग्य मतदाताओं को सूची में जोड़ा जाएगा*
- *मृत या स्थानांतरित हो चुके लोगों के नाम हटाए जाएंगे*

वोटर लिस्ट को त्रुटिरहित बनाने का रखा लक्ष्य

सूत्रों ने बताया कि प्रणाली को मजबूत और किसी भी तरह की त्रुटि से मुक्त बनाने के लिए, चुनाव आयोग बिहार विधानसभा चुनावों से पहले आगामी मतदाता सूची संशोधन के दौरान मतदाता सूचियों को शुद्ध करने के लिए घर-घर जाकर गहन सत्यापन करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूचियों का ऐसा गहन और कड़ा संशोधन पहले भी किया जा चुका है और आखिरी बार ऐसा अभ्यास 2004 में किया गया था।

बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर माहौल गरम

बिहार विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होने की संभावना है। राज्य में राजनीतिक माहौल भी गरमाया हुआ है और ऐसे में वोटर लिस्ट मुद्दा काफी अहम बन चुका है। फिलहाल राज्य में जनता दल (यू), भाजपा और हिंदुस्तानी अवामी मोर्चा का एनडीए गठबंधन सत्ता में काबिज है। वहीं विपक्ष में राजद और कांग्रेस के साथ-साथ कई अन्य दल भी मौजूद हैं। पिछले दिनों गृहमंत्री शाह के बयान ने सियासत में और गरमी ला दी थी। हालांकि बाद में इस पर प्रादेशिक अध्यक्ष ने सफाई पेश कर के मामले का पटाक्षेप कर दिया था। इस बीच, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और आरजेडी के दिग्गज नेता और लालू प्रसाद यादव के पुत्र के बीच व्यंग्यबाण भी आग में एक तरह से घी डालने का काम कर रहे हैं। कुल जमा सि बीच बिहार में राजनीतिक पारा काफी गरमाया हुआ है।

नीतीश कुमार का एक और चुनावी दांव

गरीब परिवारों को मिलेंगे 2-2 लाख रुपए, 94 लाख होंगे लाभान्वित

पटना। बिहार में 2025 के विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, राजनीतिक दलों ने जनता को लुभाने के लिए नई-नई योजनाओं की झड़ी लगा दी है। इस कड़ी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक नई रोजगार योजना की घोषणा की है, जिसे लेकर राजनीतिक हलकों में जबरदस्त चर्चा है। इस योजना के जरिए राज्य सरकार 94 लाख गरीब परिवारों को स्वरोजगार शुरू करने के लिए 2-2 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की प्लानिंग कर रही है।बेरोजगारी लंबे समय से बिहार की राजनीति का सबसे संवेदनशील मुद्दा रहा है। विपक्ष ने लगातार इस पर सरकार को घेरा है, खासकर आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव ने अपने चुनावी वादों में 10 लाख नौकरियों की घोषणा से इस मुद्दे को गरमा या था। ऐसे में नीतीश सरकार का यह नया कदम एक रणनीतिक जवाब की तरह देखा जा रहा है।

2023 की जनगणना को आधार बनाया

इस योजना का आधार 2023 में हुई जातीय जनगणना है, जिसकी रिपोर्ट के मुताबिक 94 लाख परिवार ऐसे हैं जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और स्वरोजगार के लिए मदद के पात्र माने गए हैं। सरकार इन्हें सीधी वित्तीय सहायता दे रही है ताकि वे अपना खुद का काम शुरू कर सकें - जैसे कि छोटा व्यवसाय, पशुपालन, दुकान आदि।

शाह ने नवा रायपुर में लैब की आधारशिला रखी

बारिश में नक्सली मौज में थे, अब चैन से नहीं रहेंगे

शाह का छत्तीसगढ़ में 2 दिवसीय दौरा

मुंबई हलचल / रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय परिसर और केंद्रीय न्यायालयिक प्रयोगशाला की आधारशिला रखी। राज्य का गृह विभाग संभाल रहे उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने नवा रायपुर में एनएफएसयू के लिए 40 एकड़ जमीन आवंटित की है तथा इसे केंद्र द्वारा लगभग 400 करोड़ की लागत से बनाया जाएगा। 6-7 एकड़ भूमि पर न्यायालयिक प्रयोगशाला स्थापित की जाएगी। शर्मा ने बताया कि यात्रा के दौरान शाह नक्सली विस्फोट में मारे गए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरपुंजे के परिजनों से मुलाकात करेंगे। 9 जून को सुकमा जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए गए बम की चपेट में आकर गिरपुंजे की मौत हो गई थी। इस दौरान शाह ने नक्सलियों को एक बार फिर कड़ी चेतावनी जारी की है।

आज विकास कार्यों की समीक्षा

राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि 2दिवसीय दौरे के दौरान शाह छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक और सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक में हिस्सा लिया जिसमें राज्य के वर्तमान सुरक्षा हालात और नक्सल उन्मूलन अभियानों की गहन समीक्षा की। उन्होंने बताया कि शाह दौरे के दूसरे दिन 23 जून को नारायणपुर जिले में जाएंगे, जहां वह जवानों से संवाद करेंगे और नक्सल प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों की जमीनी समीक्षा करेंगे।

नक्सलियों को सरेंडर करने को कहा

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने एक बार फिर नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने का अपना संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि यहीं कह कर गया था कि 31 मार्च 2026 को ये देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा और हम लक्ष्य को पूरा करेंगे। शाह ने नक्सलियों को चेतावनी देते हुए कहा कि पहले बारिश में नक्सली आराम कर लेते थे, लेकिन इस बार बारिश में भी उनको सोने नहीं देंगा। जो नक्सलवाद के रास्ते पर भटक कर चले गए हैं। उनसे अपील है कि सरेंडर कर दीजिए। आपको विश्वास दिलाता हूं जो वादा सरकार ने किया है उसको पूरा करेंगे।

भीलवाडा, चित्तौड़गढ सहित 13 जिला शिक्षा अधिकारियों को नोटिस जारी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जयपुर (डॉ चेतन ठठेरा)। राजस्थान के शिक्षा विभाग के भीलवाडा, चित्तौड़गढ सहित 13 जिला शिक्षा अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। इन अधिकारियों पर अपनी जीएसटी और आयकर कटौती की राशि पोर्टल पर नहीं दशार्नें के आरोप है। माध्यमिक शिक्षा विभाग के वित्तीय सलाहकार संजय धवन नजारी किए नोटिस में बताया कि कार्यालय की ओर से साइकिल वितरण योजना में साइकिल निमार्ता फर्म को बिलों का भुगतान टीडीएस एवं जीएसटी की राशि काट कर किया जाना था तथा साथ ही इसे पोर्टल पर प्रदर्शित करना था। लेकिन इन 13 जिलो के जिला निक्षा अधिकारियों (डीईओ) ने ऐसा नहीं किया इससे विभाग को रिफंड प्राप्त नहीं हुआ है, जबकि विभाग की ओर से भुगतान स्वीकृति जारी करते समय स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि फर्म के बिलों से नियमानुसार जीएसटी एवं आयकर की कटौती कर सबंधित पोर्टल प्रदर्शित कर दी जाए।

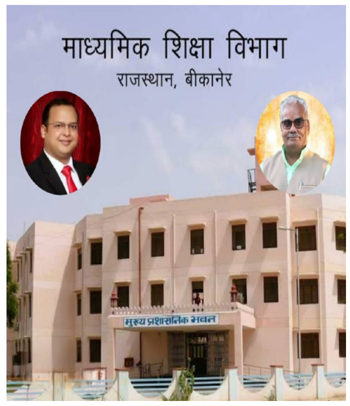

इन 17 पदाधिकारियों को थमाया नोटिस

इन जिला शिक्षा अधिकारियों ने यह घोर लापरवाही बरती है। इससे विभाग और सरकार को वित्तीय हानि हुई। विभाग ने घोर लापरवाही बरतने पर जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक श्रीगंगानगर, जोधपुर ग्रामीण, सलूम्बर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, धौलपुर, डीग, उदयपुर गंगापुर सिटी, जयपुर (शहर), खैरथल तिजारा, जोधपुर शहर, शाहपुरा तथा भीलवाड़ा को नोटिस जारी किए है। सूत्रो के अनुसार नोटिस का जवाब मांगा गया है संतोषजनक जबाव नहीं होने पर विभागीय कार्रवाई अमल मे लाई जाएगी।

इनकी जुबानी

विभाग से नोटिस मिला है। मैं अभी कार्यभार संभाला है इसलिए मुझे पूरी जानकारी नहीं है सोमवार को इस नोटिस का जवाब बनाकर विभाग को प्रेषित करेंगे।

राजेंद्र कुमार गग्गड
जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय भीलवाड़ा

हमने तो यह प्रक्रिया कर ली थी लेकिन विभाग के का द्वारा इस अपलोड नहीं किया गया था इस कारण नोटिस मिला है विभाग को इस बारे में अवगत करा दिया गया है ।

कल्पना शर्मा
जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय चित्तौड़गढ

बिना लाइसेंस के ब्याज का धंधा करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई : एसपी सिंह

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जयपुर (डॉ चेतन ठठेरा)। राजस्थान की भीलवाड़ा पुलिस अब सूदखोरों अर्थात ऊंची ब्याज दरों पर रुपए उधार देने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन मूड में आ गई है। और स्पष्ट चेतावनी देते हुए अपील जारी की है कि बिना लाइसेंस के साहूकारी ब्याज का धंधा करने वालों के खिलाफ कानून कारवाई की जाएगी।भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जिले में जो व्यक्ति साहूकारी अधिनियम के अंतर्गत दिए प्रावधानों के अनुसार बिना लाइसेंस के अवैधानिक तरीके से ब्याज का कार्य कर रहे हैं और मनमानी ब्याज दर से गरीब, असहाय, कमजोर,मजदूर व मध्यम आयवर्गीय लोगों से राशि वसूल कर रहे हैं तथा जिन लोगों ने ब्याज पर पैसा उधार लिया गया है उनसे 5 से 30 गुना अधिक राशि वसूल किए जाने के बाद भी और राशि की मांग की जाती रही है जिससे पीड़ित व्यक्ति मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या जैसे कदम उठा रहा है।इस प्रकार के मामले जिले में आए दिन सामने आ रहे हैं और

भारतीय न्याय संहिता 2023 के अंतर्गत इस तरह के मामले दर्ज हो रहे हैं। इस पर लगाम लगाने और सूदखोरों के चंगूल से गरीबों मजबूर और असहाय लोगों को इनसे बचाने के लिए ऐसे ब्याजखोरों व सूदखोरों के खिलाफ राजस्थान साहूकार अधिनियम 1963 के प्रावधानों के अंतर्गत अब जिले में बिना लाइसेंस के ब्याज साहूकारी का काम करता हुआ कोई पाया जाता है तो उसके विरुद्ध शिकायत मिलने पर भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत विधिक कार्यवाही की जाएगी । एस पी सिंह ने भीलवाड़ा जिले वीडियो से अपील की है कि बिना लाइसेंस के अगर कोई साहूकार ब्याज पर बिना लाइसेंस के धंधा कर रहा है और इससे कोई पीड़ित है तो वह तत्काल पुलिस नियंत्रण कक्ष 01482 -232011 व्हाट्सएप नंबर 87648- 57492 तथा पुलिस कंट्रोल रूम 01482- 232 675 और व्हाट्सएप नंबर 87648- 57007 पर सूचना दें।

यह अपील कागजो मे सिमटेगी या फिर..,

हालांकि भीलवाड़ा जिले में गैर कानूनी ढंग से साहूकारी ब्याज का धंधा लंबे समय से चल रहा है और पूर्व में भी कुछ पुलिस अधीक्षकों ने इसी तरह सूदखोरों से तंग आकर आत्महत्या करने की घटनाओं पर सूदखोरों के खिलाफ अभियान चलाने और कार्रवाई करने की अपीलें जारी की थी लेकिन वह सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गई धरातल पर नहीं उतर पाई थी। क्या इस बार एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव इस अपील को धरातल पर कार्रवाई के रूप में परिणाम तक ले जाएंगे या फिर पूर्व की तरह ही....?

'बिहार सरकार के द्वारा समाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत दी जाने वाली राशि में 400 रुपए प्रति माह दिया जाता था अब उसमें बढ़ाकर 1100 रुपए प्रति माह वृद्धि करना एक तारीखी कदम है'

मुंबई हलचल/मो सालिम आजाद

मधुबनी। जिला जनता दल यूनाइटेड के जिला उपाध्यक्ष अहमद हुसैन ने एक प्रेसवार्ता बयान जारी कर कहा कि सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत दी जाने वाली राशि में वृद्धि करना एक तारीखी कदम है इसके लिए बिहार के मुख्यमंत्री जनाब नीतीश कुमार को दिल की गहराइयों से बहुत-बहुत मुबारकबाद वर्षों से आशा लगाए वृद्धिजनों, विधवा महिलाएं व्यंगजनों की आशा आज पूरी हो गई जो राशि पहले 400 प्रति माह दिया जाता था अब उसमें वृद्धि कर 1100 रुपए प्रतिमा कर दिया गया है जो सरकार का एक ऐतिहासिक फैसला रहा जिससे राज्य के करोड़ों जरूरतमंदों को लाभ

पहुंचेगा यही न्याय के साथ विकास है जिससे हर समाज हर धर्म के लोगों को फायदा पहुंचेगा वजीर आला नीतीश कुमार का हमेशा से यह सोच रहा कि समाज में आखिरी पायदान पर खड़ा हर व्यक्ति का विकास ही बिहार का विकास है इसके लिए एक बार फिर बिहार वासियों के तरफ से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कोटि-कोटि धन्यवाद और हार्दिक आभार।

'हम किसी के मोहताज नहीं', JDU नेता के बयान से गरमाई बिहार की सियासत

पटना। बिहार सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत सभी वृद्ध, दिव्यांग और विधवाओं की पेंशन राशि बढ़ाने के ऐलान के बाद एक बार फिर राज्य की सियासत में बयानबाजी तेज हो गई है। इस फैसले को लेकर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि यह उनके दबाव में उठाया गया कदम है। इस पर जेडीयू के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद सदस्य (MLC) गुलाम गौस ने करारा जवाब दिया। गुलाम गौस ने तेजस्वी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हां, सारा काम उनकी घोषणा पर हो रहा है। हमने जो भी विकास कार्य किए हैं, वह उनके आदेश पर ही किए हैं। अब कुछ दिन में ये भी कह देंगे कि हमारी उम्र नीतीश कुमार से ज्यादा है। कहने को तो कुछ भी कहा जा सकता है, लेकिन जनता देख और समझ रही है कि असल में काम कौन कर रहा है। नीतीश कुमार की पार्टी के नेता गुलाम गौस ने सीट बंटवारे को लेकर भी सफाई दी कि जेडीयू सभी 243 सीटों पर तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी 115 से 120 सीटों से कम पर चुनाव नहीं लड़ेगी। हम

पूरी ताकत के साथ मैदान में हैं ताकि एनडीए के अपने सहयोगियों को भी मजबूत कर सकें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हाल ही में बयान दिया था कि समय का इंतजार कीजिए, समय ही बताएगा कि बिहार में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होगा। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए गुलाम गौस ने कहा कि अमित शाह ने सही कहा कि समय बहुत बड़ा निर्णायक है। अब हवा ही करेगी रोशनी का फैसला, दम जिस दीए में होगा वही दीया रह जाएगा।

गौस बोले- हम किसी के मोहताज नहीं

जेडीयू नेता गौस ने बिना नाम लिए विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि "हम किसी के मोहताज नहीं हैं। जिनकी सरकार खुद बैसाखी पर टिकी है, वे हमें नसीहत दे रहे हैं। बिहार के अगले मुख्यमंत्री सिर्फ और सिर्फ नीतीश कुमार होंगे, यह तय है। जब तक नीतीश कुमार साथ नहीं देंगे, राज्य में किसी भी पार्टी की सरकार नहीं बन सकती। जो लोग खुद हमारे सहारे खड़े हैं, वे अब हमें ही नसीहत दे रहे हैं। ये वही हाल है, जैसे मेरी बिल्ली, मुझी से म्याऊं।"

चेहरे के तिल हटाने के लिए अपनाएं ये तरीके!

तिल चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाता है लेकिन बहुत ज्यादा तिल चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने की बजाय कम कर देता है। चेहरे पर ज्यादा तिल होने पर लड़कियां बहुत परेशान रहती है और इसे हटाने के लिए कई ट्रीटमेंट करवाती है। अगर आप चाहें तो कुछ घरेलू उपाय करके भी तिलों को हटाया जा सकता है। आज हम आपको घरेलू उपाय बताएंगे, जिससे आप चेहरे पर मौजूद तिलों को हटा सकते हैं।

1. अनानास

अनानास में एसिडिक गुण पाए जाते हैं। तिल हटाने के लिए रोज अनानास का जूस दिन में 2-3 बार चेहरे पर लगाएं।

2. कच्चा आलू

कच्चे आलू का इस्तेमाल करने से चेहरे पर निखार आता है। तिल हटाने के लिए कच्चे आलू को चेहरे पर रगड़े। आप चाहें तो इसका पेस्ट बना कर लगा सकते हैं।

3. सेब का सिरका

तिल हटाने के लिए रात को सेब के सिरके से चेहरे की मसाज करें। सुबह चेहरा धोंले। कुछ दिनों में ही तिल हल्के पड़ जाएंगे।

स्वस्थ रहने के लिए जरूरी टिप्स

आजकल भागदौड भरी जिन्दगी में सेहत का ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है। कई बार छोटी-छोटी परेशानियां हो जाती हैं और दवाइयों का भी इस पर असर नहीं पड़ता। ऐसे में सेहतमंद रहने के लिए कुछ टिप्स भी अपनाएं जा सकते हैं। जिससे आप सेहत से जुड़ी बहुत सी दिक्कतों से राहत पाई जा सकती है।

- मुंह के छाले ठीक न हो रहे हो तो इलायची के पाऊडर में शहद मिलाकर 3-4 बार लगाएं।
- मोटापे से परेशान है तो नारियल खाएं। इसमें फैट बहुत कम होता है।
- बॉडी पर सूजन है तो गुड़हल के फूल को पेस्ट बनाकर लगाने से सूजन कम हो जाती है।
- बच्चे को सर्दी जुखाम हो तो तुलसी का रस और अदरक के रस में शहद मिलाकर खाने से राहत मिलती है।
- सर्दियों के कारण पैरों की ऊंगुलियों में सूजन आ जाए तो मटर को पीसकर काढा बनाकर उसमें सरसो का तेल डाल लें और इससे ऊंगुलियां धोएं इससे फायदा मिलता है।
- पाचन प्रक्रिया में गड़बड़ी हो तो पान का पत्ता चबाएं। इससे पाचन प्रक्रिया दुरूस्त होती है।
- आंखों की रोशनी कमजोर हो तो लोबिया के हरे बीजो को गुड के साथ खाने से लाभ होता है।
- बुखार न उतर रहा हो तो मौसंबी के जूस में पीसी सौंफ और शक्कर मिलाकर पिएं।
- दस्त से परेशान है तो दही में जीरा पाउडर डालकर खाएं।

पैरों में छाले पड़ने पर अपनाएं यह तरीका !

कई बार नए या टाइट जूते पहनने पर पैरों में छाले हो जाते हैं। छाले देखने में काफी भद्दे होते है और पैरों में दर्द होती है। इसके अलावा छाले पड़ने के और भी कई कारण हो सकते हैं। छालें पड़ने पर चलने में परेशानी होती है और आपको अजीब सी बैचेनी होती है। कुछ लोग छाले को फोड़ देते हैं जिससे अंदर का तरव पदार्थ निकल जाता है। वहीं डॉक्टरों का मानना है कि छाला बड़ा होने पर उसे फोड़ देना चाहिए। फोड़ने से जल्दी ठीक हो जाता है। आज हम आपको छालों को ठीक करने का तरीका बताने जा रहे हैं।

- सबसे पहले छाले को फोड़ने के लिए एक साफ ब्लेड या सुई का इस्तेमाल करें। छाले को किनारे से सुई दबा कर फोड़े और द्रव निकालें।
- छाला फूट जाने पर छीलें न। अब उस पर बैंडेज लगाए। रात को सोने से पहले बैंडेज को उतार दें ताकि वो सूख जाएं।

- छालों में बने द्रव निकालने से उनके बढ़ने का खतरा कम हो जाता है।
- डायबिटीज के मरीजों को छालों को खद ठीक नहीं करना चाहिए। छालें होने पर डॉक्टर की सलाह लें।

बैड पर लेटकर करें एक्सरसाइज,वजन पर रखें कंट्रोल

व्यायाम एक ऐसा जरिया है, जो हमे बड़ी से बड़ी बीमारी से दूर रखता है और शरीर को उम्र भर के लिए स्वस्थ रखता है। कई लोग ऐसे होते है, जो दवाईयों का सेवन करने से बचते है। ऐसे में उन लोगों के लिए योग सबसे अच्छा ऑप्शन है। अगर आप अपने वजन को कंट्रोल करना चाहते है तो एक्सरसाइज आपके लिए बहुत ही जरूरी है। आज हम आपको ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताएंगे, जिसको आप सुबह-सुबह अपने बेड पर लेटे-लेटे कर सकते हैं और अपना वजन घटाने साथ-साथ कई परेशानियां दूर कर सकते है।

सुपरवुमन एक्सरसाइजः इस एक्सरसाइज पेट के बल लेटकर अपने दोनों पैरों और हाथों को सीधा कर खुद को ऊपर की तरफ खींचें। ये छोटी-सी एक्सरसाइज आपके हाथों, कंधों, टांगों, पैरों और कमर को स्ट्रेच करती है।

बो पोजः इसमें उलटा लेटकर घुटनों को ऊपर की तरफ मोड़ें और हाथों को पीछे ले जाते हुए पकड़ें। इससे तनाव और थकान दूर होती है। साथ ही पीरियड्स में आराम मिलता है।

3. ऐब प्रैप एक्सरसाइजः इस एक्सरसाइज को रोजाना करने से मोटापा कम होता है। इस एक्सरसाइज को 2 मिनट के लिए करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

खुद को संभाल रहीं शिवांगी

टीवी इंडस्ट्री की चहेती एक्ट्रेस शिवांगी जोशी इन दिनों निजी जिंदगी में एक मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। हाल ही में उनका और एक्टर कुशाल टंडन का ब्रेकअप हुआ, जिसे लेकर काफी चर्चा रही। खुद कुशाल ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर कर इस रिश्ते के अंत की पुष्टि की थी। अब ब्रेकअप के बाद शिवांगी खुद को संभालने और मजबूत बनाने की कोशिश कर रही हैं। हाल ही में शिवांगी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक इमोशनल और मोटिवेशनल नोट शेयर किया, जिसने फैंस का ध्यान खींच लिया। उन्होंने लिखा, बेबीगर्ल, अभी खुद से थोड़ा ज्यादा प्यार करो। तुम बहुत कुछ हैंडल कर रही हो, ऐसी चीजें संभाल रही हो जिन्हें कोई नहीं देख सकता और फिर भी अपना बेस्ट दे रही हो। खुद को ग्रेस दो। इस स्टोरी से साफ जाहिर है कि एक्ट्रेस अपने जीवन के इस कठिन दौर में खुद को हिम्मत और प्यार दे रही हैं। कुछ वक्त पहले कुशाल टंडन ने एक पोस्ट में ब्रेकअप की बात स्वीकारते हुए कहा था,मैं और शिवांगी अब साथ नहीं हैं। यह पांच महीने पहले खत्म हो गया था। हालांकि कुछ समय बाद उन्होंने यह स्टोरी डिलीट कर दी, लेकिन तब तक यह सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी थी।

नताशा स्टेनकोविक ने जीन्स का बटन खोल कराया फोटोशूट

क्रिकेटर हार्दिक पांड्या की एक्स-वाइफ और मॉडल-अभिनेत्री नताशा स्टेनकोविक अक्सर अपने ग्लैमरस अंदाज को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। ऐसे में एक बार फिर वह अपने लुक की वजह से चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, इस बार उनके लेटेस्ट फोटोशूट ने इंटरनेट पर बवाल मचा दिया है। लेकिन जहां इन तस्वीरों को देखकर कुछ लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ यूजर्स ट्रोल भी कर रहे हैं। हाल ही में नताशा ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह ब्लैक स्पोर्ट्स ब्रा और ब्लू डेनिम जीन्स में नजर आ रही हैं। उनका लुक बेहद स्टनिंग है- खुले बाल, न्यूड मेकअप और कॉन्फिडेंट पोज। लेकिन तस्वीरों की सबसे बड़ी हाइलाइट थी। उनकी जीन्स की खुली चेन, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। जहां कुछ फैंस उनके फिगर और स्टाइल की तारीफ करते नजर आए, वहीं कई नेटिजन्स ने इस बोल्डनेस को हद से ज्यादा बता दिया। एक यूजर ने लिखा, छुपाना भी नहीं आता, दिखाना भी नहीं आता। वहीं दूसरे ने तंज कसते हुए पूछा, ये कौन सा पोज है भाई? एक और कमेंट आया, इनरवियर अब फैशन हो गया क्या? कई यूजर्स ने उन्हें थोड़ी शर्म करोह्न जैसे कमेंट्स से ट्रोल किया। नताशा का ये लुक और अंदाज भले ही कुछ को फैशनेबल लगा हो, लेकिन कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे जरूरत से ज्यादा एक्सपोजिंग करार दिया। हालांकि, नताशा ने हमेशा से अपने अंदाज और स्टाइल को लेकर आत्मविश्वास दिखाया है।